**गणतंत्र–दिवस–समारोह से लौटे एन॰सी॰सी॰ कैडेट्स के स्वागत–समारोह में**
**महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द का सम्बोधन**

**(दिनांक–02.02.2017, समय–अपराह्न–3:00 बजे, स्थान–राजभवन)**

'68वें गणतंत्र दिवस समारोह' के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय परेड में भाग लेकर लौटे एन॰सी॰सी॰ कैडेट्स के प्रोत्साहन में आयोजित आज के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित प्रधान सचिव डॉ॰ बाला प्रसाद जी, विभिन्न विभागों के प्रधान सचिवगण, मेजर जनरल एस॰एस॰ मामक जी, ए॰डी॰जी॰ मेजर जनरल शमी सभरवाल जी, डी॰डी॰जी॰ ब्रिगेडियर अनिमेष गांगुली जी, 'रिपब्लिक डे कैम्प' कन्टीजेंट कमांडर कर्नल दिनेश तँवर जी, सभी वरीय सैन्य अधिकारीगण, एन॰सी॰सी॰ के अधिकारीगण, कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं एवं संगठनों के प्राचार्यगण एवं प्रतिनिधिगण, उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटे एन॰सी॰सी॰ कैडेट्स, देवियों एवं सज्जनों !!

आज आपके बीच उपस्थित होकर तथा आपके द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखकर मुझे काफी प्रसन्नता हुई है। नई दिल्ली में 'गणतंत्र–दिवस' के अवसर पर 'राष्ट्रीय परेड' में भाग लेकर आपने बिहार एवं झारखंड के साथ–साथ पूरे देश का मान बढ़ाया है।

मुझे प्रसन्नता है कि आपने जाड़े की कड़ाके की ठंढ़ का सामना करते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चयता के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सफलता हासिल की। मैं आज आपको तथा सभी सैन्य अधिकारियों, JCOs, NCOs, GCLs & ANOs, जिन्होंने आपकी तैयारी में आपका कुशल मार्ग–निर्देशन किया –सबको अपनी बधाई तथा शुभकामनाएँ देता हूँ।

मुझे यह कहने में अत्यन्त गर्व महसूस हो रहा है कि अपने देश में जिन उद्देश्यों को लेकर एन॰सी॰सी॰ की स्थापना हुई थी, यह संगठन उन उद्देश्यों को पूरा करने में पूरी तत्परता, गंभीरता और संजीदगी के साथ आगे बढ़ रहा है। एन॰सी॰सी॰ की स्थापना का उद्देश्य था कि हम अपने देश में ऐसे युवाओं को तैयार करें, जो ऊर्जावान हों, तेजस्वी और ओजस्वी हों, पूर्ण अनुशासित हों, अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करने के प्रति पूरी तरह समर्पित और गंभीर हों, देश के विकास के प्रति पूर्ण सचेष्ट और प्रतिबद्ध हों। मुझे खुशी है कि एन॰सी॰सी॰ के माध्यम से ऐसे लाखों युवा हमारे देश में तैयार हो रहे हैं जो हमारी राष्ट्रीय एकता, हमारी सामाजिक समरसता, हमारी साझी सांस्कृतिक विरासत और संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति पूरी तरह निष्ठावान और प्रतिबद्ध हैं।

प्यारे बच्चों, आप जानते हो कि हमारा देश, दुनियाँ के सर्वोत्कृष्ट लोकतांत्रिक गणराज्यों में से एक उत्कृष्ट राष्ट्र है। हमारे देश का संविधान दुनियाँ के बेहतरीन संविधानों मे से एक है। हमारा संविधान केवल हमारे देश की शासन–व्यवस्था को ही संचालित नहीं करता, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी यह हमारा एक कुशल पथ–प्रदर्शक भी है। मैं तो इसे सुन्दर और सार्थक जीवन के लिए एक अद्‌भुत 'मर्यादा–ग्रंथ' मानता हूँ। आप इसकी 'प्रस्तावना' को ही अगर अपने जीवन में शिरोधार्य बना लें तो आप इस महान देश के एक आदर्श नागरिक बन सकते हैं। मैं आपसे आग्रह करूँगा कि आप सभी अपने अध्ययन–कक्ष में भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' को फोटोफ्रेम के रूप में जरूर रखें। यह 'प्रस्तावना' आपका मार्ग–दर्शन करती रहेगी और आप अपने जीवन में विकास के पथ पर सतत् आगे बढ़ते हुए नित सफलता की नई ऊँचाइयों को छू सकेंगे।

आप का संगठन एन॰सी॰सी॰ आपको सेना के तीनों अंगों–जल, थल और वायु सेना –तीनों के उद्देश्यों से जुड़ी तैयारियाँ कराता है। आप इसके माध्यम से सामूहिकता, सामाजिकता और जीवन में सामंजस्य की भी शिक्षा ग्रहण करते हैं। सामाजिक हितों के कार्य –यथा रक्तदान शिविरों का आयोजन, साक्षरता अभियान, दहेज एवं नशा–उन्मूलन अभियान, कन्या–भ्रूण हत्या आदि के विरूद्ध जागरूकता पैदा करने जैसे कार्य आप तत्परतापूर्वक करते हैं। आपदा–प्रबंधन, स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों में भी आपकी सहभागिता प्रशंसनीय है। गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के 350वें 'प्रकाश–पर्व' के अवसर पर आपने राजधानी पटना में अपने 1000 युवा कैडेट्स के माध्यम से यातायात व्यवस्था के सुसंचालन में सराहनीय सहयोग प्रदान किया है। मुझे बताया गया है कि पर्यावरण संतुलन के प्रति भी आप जन–चेतना विकसित कर रहे हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे ये युवा कैडेट्स भारत का भविष्य गौरवशाली और वैभवपूर्ण बनाने में अपना भरपूर योगदान देंगे। आप उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दिल्ली से लौटे हैं। आपको तथा आपके मार्ग–दर्शक अधिकारियों को एक बार पुनः मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द !!

***

---

**प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।**